

# चेरि यशोदकु

रागम्: मोहनम् ताळम्: आदि

(श्री अन्नमाचार्य विरचित )

पल्लवि

चेरि यशोदकु शिशु वितडु  
धारुणि ब्रह्माकु तन्दि, यु नितडु

चरणम्

सोलसि त्सूचिननु सूर्यचन्द, लनु  
ललि वेदत्सलेडु लक्ष्णुडु  
निलचित निलुवन निखिल देवतल  
कलिगिंचु सुरल गनिवो इतडु ॥ १ ॥

मुंगिड पोलसिन मोहनमात्मल

पोङ्गिचे घन पुरुषुडु

सङ्गति मा वण्टि शरणागतुलुकु  
अङ्गमु श्री वेङ्कटाधिपु डितडु ॥ २ ॥

◇ ◇ ◇ ◇ ◇ ◇ ◇ ◇ ◇ ◇